हठ कर बैठा चाँद एक दिन, माता से यह बोला
सिलवा दो माँ मुझे ऊन का, मोटा एक झिंगोला।
सन-सन चलती हवा रात भर, जाड़े से मरता हूँ,
ठिठुर-ठिठुरकर किसी तरह, यात्रा पूरी करता हूँ।

आसमान का सफ़र और यह मौसम है जाड़े का,
न हो अगर तो ला दो, कुर्ता ही कोई भाड़े का।
बच्चे की सुन बात, कहा माता ने, 'अरे सलोने',
कुशल करे भगवान, लगे ना तुझको जादू-टोने।
जाड़े की तो बात ठीक है, पर मैं तो डरती हूँ,
एक नाप में कभी नहीं, मैं तुझको देखा करती हूँ।
कभी एक अंगुल भर चौड़ा, कभी एक फुट मोटा,
बड़ा किसी दिन हो जाता है, और किसी दिन छोटा।

घटता-बढ़ता रोज़ किसी दिन, ऐसा भी करता है,
नहीं किसी की आँखों को तू, दिखलाई पड़ता है।
अब तू ही यह बता, नाप तेरी किस रोज़ लिवाएँ,
सी दें एक झिंगोला जो, हर रोज़ बदन में आए।

– रामधारी सिंह 'दिनकर'

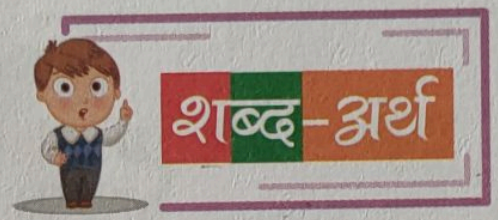

हठ – ज़िद

झिंगोला – ढीला-ढाला वस्त्र

सन-सन – तेज़ हवा के झोंके की आवाज़

ठिठुरना – काँपना

- **माता** – माँ
- **यात्रा** – सफ़र
- **सलोने** – सुंदर, लावण्यमय
- **कुशल** – मंगलमय

3. सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाइए। (MCQs)

(क) चाँद अपनी माँ से क्या सिलवाने की ज़िद कर रहा था?

(i) मोटा झिंगोला (ii) कुर्ता (iii) पाजामा

(ख) प्रस्तुत कविता में भाड़े का कुर्ता लाने की बात कौन करता है?

(i) चाँद (ii) माँ (iii) कोई नहीं

मौखिक

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताइए।

(क) ज़िद कौन कर रहा था?

उत्तर-चाँद अपनी माँ से ज़िद कर रहा था।

(ख) चाँद किसकी ज़िद कर रहा था?

उत्तर-चाँद एक ऊनी मोटा झिंगोला सिलवाने की ज़िद कर रहा था।

(ग) माँ की क्या समस्या थी?

उत्तर-माँ की समस्या थी कि वह झिंगोला किस नाप का सिलाए, क्योंकि चाँद का आकार घटता-बढ़ता रहता है।

(घ) रोज़ कौन घटता-बढ़ता है?

उत्तर-चाँद रोज़ घटता-बढ़ता है।

(ङ) चाँद किस दिन दिखाई नहीं देता है?

उत्तर-चाँद अमावस्या को नहीं दिखाई देता है।

लिखित

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

(क) जाड़े में चाँद अपनी यात्रा कैसे पूरी करता है?

उत्तर-जाड़े में चाँद अपनी यात्रा ठिठुर-ठिठुर कर बहुत कठिनाई से पूरी करता है।

(ख) माँ चंद्रमा को कैसा देखा करती है?

उत्तर-माँ चंद्रमा को रोज घटता-बढ़ता देखा करती है। चंद्रमा की आकृति प्रतिदिन परिवर्तित होती रहती है।

(ग) चाँद कैसा झिंगोला सिलवाना चाहता था?

उत्तर-चाँद मोटा झिंगोला सिलवाना चाहता था जिससे रात में उसे ठंड न लगे तथा उसे गरमाहट मिल सके।

(घ) पूर्णिमा का चाँद आपको कैसे आकर्षित करता है?

उत्तर-पूर्णिमा का चाँद अपनी पूरी आकृति में होता है। उसके प्रकाश से सब कुछ साफ-साफ दिखायी देता है। उसका प्रकाश शीतल होता है।

(ङ) क्या वास्तव में चाँद को ठण्डक लगती है?

उत्तर-नहीं, वास्तव में चाँद एक निर्जीव वस्तु है जो आसमान में स्थित है। इसे ठण्डक नहीं लगती है।

(च) किस दिन चाँद बिल्कुल ही दिखायी नहीं पड़ता है?

उत्तर-अमावस्या के दिन चाँद बिल्कुल ही दिखायी नहीं पड़ता है। वह रात बहुत अंधकारमय होती है।

निम्न कथनों में सही (✓) एवं गलत (✗) कथन की पहचान करें।

अवलोकन करें: व्याकरण पुस्तिका पाठ संख्या-1, पृष्ठ संख्या-1

(क) पत्र लेखन मौखिक भाषा है। ✗

(ख) भारत की राजभाषा संस्कृत है। ✗

(ग) केरल में मलयालम बोली जाती है। ✓

(घ) उर्दू दाएँ से बाएँ लिखी जाती है। ✓

(ड.) भाषण देना मौखिक भाषा है। ✓

2. निम्न का सही मिलान करें।

राज्य	बोली/भाषा
(क) उत्तराखंड	तेलुगु
(ख) बिहार	कन्नड़
(ग) बंगाल	कुमाऊँनी
(घ) आंध्र प्रदेश	हिन्दी
(ड.) कर्नाटक	बंगाली